जनसंपर्क विभाग
अमेरिकी दूतावास

प्रेस समाचार

शांतिपथ, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली 110021 दूरभाष: 011-24198000 एक्सटेंशन 8827 फैक्स: 011-24198817
ईमेल: mpl@pd.state.gov इंटरनेट वेबसाइट: http://usembassy.state.gov/delhi.html

9 मई, 2006

भारत के चंद्र अभियान के लिए नासा व इसरो में ऐतिहासिक समझौता

नई दिल्ली -- भारत की पहली चंद्रयात्रा में नासा दो वैज्ञानिक उपकरण लगाएगा। भारत के चंद्रयान-1 अभियान में सहयोग के लिए मंगलवार को नासा प्रशासक माइकल ग्रिफिन तथा भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष जी. माधवन नायर ने दो सहमति-पत्रों पर बंगलौर में हस्ताक्षर किए।

ग्रिफिन इस सप्ताह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधन संगठन केंद्र के दौरे पर आए हुए हैं। वह केंद्र के उपग्रह विकास केंद्र, उपग्रह छोड़े जाने वाले वाहनों के उत्पादन केंद्र तथा उपग्रह छोड़े जाने वाले स्थान को भी देखने जाएंगे।

बंगलौर में एक समारोह में ग्रिफिन ने कहा, ''मुझे आशा तथा विश्वास है कि जैसे हम पूरे सौर मंडल में मानव सभ्यता की पहुंच बढ़ाएंगे, अमेरिका और भारत प्रौद्योगिकीय रूप से चुनौतीपूर्ण तथा वैज्ञानिक रूप से लाभकारी परियोजनाओं में और अधिक भागीदारी करेंगे। उन्होंने कहा, ''मुझे भारत के पहले प्रभावशाली अंतरिक्ष केंद्रों को देखने, वैज्ञानिकों तथा इंजीनियरों से मिलने तथा उत्कृष्ट कार्य के बारे में और अधिक सीखने के अवसर की प्रतीक्षा रहेगी।''

चंद्रयान-1, उपग्रह 2007 के अंत में या 2008 की शुरू में छोड़े जाने की आशा है। यह वास्तव में एक अंतर्राष्ट्रीय अभियान है, जिसमें यूरोप के साथ-साथ अमेरिका भी शामिल हैं। नासा के योगदान में मून मिनेरालॉजी मैपर, यह नासा का डिस्कवरी प्रोग्राम है जिसे चंद्रमा के मिनरल संसाधनों तक पहुंचने के लिए बनाया गया है। दूसरा नासा उपकरण मिनी एसएआर है जो चंद्रमा के ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ के भंडारों का पता लगाएगा।

अंतरिक्ष खोज के लिए नासा के विजन जिसे चंद्रमा के सतह की रोबोटिक और मानवीय खोज कहते हैं को लागू करने में दोनों उपकरणों के आंकड़े चंद्रमा के पर्यावरण के बारे में नासा की जानकारी बढ़ाएंगे। विजन फॉर स्पेस एक्प्लोरेशन के बारे में अतिरिक्त जानकारी के लिए वेबसाइट देखें: http://www.nasa.gov/exploration

***